[श्री अहमद मोहम्मद भाई पटेल]

कि शहर की कम से कम 60 से 70 परसेंट गाड़ियां इस परीक्षण में कामयाब नहीं हो पायेगी। उपभोक्ता शिक्षा अनुसंधान केन्द्र द्वारा किये गये सर्वेक्षण से यह नतीजा निकला है कि शहर की सड़कों पर चलने वाली 50 परसेंट से अधिक गाड़ियां प्रदूषण के लिए दोषी हैं। केन्द्रीय सड़क अनुसंधान संस्थान के एक दस्तावेज में यह बताया गय है कि जो लोग अधिकतर प्रदूषण की चपेट में आ जाते हैं उन्हें आंख, चमड़ी और श्वास की बीमारियां हो जाती हैं। बच्चे तो इन बीमारियों से सबसे अधिक प्रभावित हुए हैं। इन्हें श्वास की बीमारी हो जाती है। उनके व्यवहार में परिवर्तन आ जाता है क्योंकि उनके फेफड़ों पर रासायनिक तडव का अपेक्षाकृत अधिक दबाव पड़ता है। इस दस्तावेज में एक चिंताजनक उल्लेख यह है कि अगर यह स्थिति जारी रही तो दो हजार ईस्वी तक हमारे बच्चों को एंटीबायोटिक की बड़ी मात्रा अथवा दमा रोगी दवाओं पर निर्भर रहना पड़ेगा। सीसे के धुएं से मस्तिष्क की बीमारी और उच्च रक्तचाप का रोग हो सकता है तथा गुर्दे काम करना बंद कर सकते हैं। इन तथ्यों को ध्यान में रखते हुए जो कि दरअसल बहुत चिंताजनक हैं मेरा पर्यावरण एवं वन मंत्री महोदय और भूतल परिवहन मंत्री जी से निवेदन है कि उक्त तथ्यों की जांच करें और अहमदाबाद के नागरिकों को धीरे-धीरे असर करने वाले इस जहर के विनाशकारी प्रभाव से बचायें।

श्रीमती उर्मिला बेन चिमनभाई पटेल (गुजरात) : मैं इनके साथ हूं।

Wrong asnouncement by oordarshan about the result of Shri Mulayam Singh Yadav's Election

श्री राम गोपाल यादव (उत्तर प्रदेश) : उपसभाध्यक्ष महोदय, आपके माध्यम से मैं सदन का और सरकार का ध्यान आपके दूरदर्शन की अपराधिक लापरवाही की तरफ आकर्षित करना चाहता हूं। 28 नवम्बर को 12 बजे जब पूरे उत्तर प्रदेश में चुनाव की मतगणना चल रही थी उस वक्त दूरदर्शन का कार्यक्रम जो राष्ट्रीय कार्यक्रम के तहत चुनाव विशलेषण का कार्यक्रम चल रहा था उसको बीच में रोक कर यह घोषणा की गई कि समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मुलायम सिंह यादव अपने गृह निर्वाचन क्षेत्र जसवंत नगर से पराजित हो गये हैं। उस वक्त परिचर्चा में दो महत्वपूर्ण राजनेता हिस्सा ले रहे थे जिसमें बहुजन समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री कांशी राम भी थे। उनसे प्रणव राय ने पूछा कि आप जिनको मुख्य मंत्री बनाने जा रहे हैं वह तो पराजित हो गये। जबकि स्थिति यह है कि मुलायम सिंह यादव उस वक्त जीत रहे थे। मैं इस मसले को एक साजिश इसलिए मानता हूं कि इसका बहुत महत्वपूर्ण गम्भीर परिणाम यह हुआ कि मुलायम सिंह जी के प्रति आस्थावन कार्यकर्ता जो मतगणना केन्द्रों पर थे, मतगणना एजेंट के रूप में काम कर रहे थे समूचे उत्तर प्रदेश में उन पर इतना जबर्दस्त असर पड़ा कि तमाम लोग मतगणना केन्द्रों से बाहर आ गये। नतीजा यह हुआ कि हमारे कम से कम 20 उम्मीदवार चुनाव हार गये। मतगणना के दौरान उनको पराजित कर दिया गया। बदायूं में इस तरह का मामला हुआ। लखीमपुर खीरी में मुजफ्फर अली साहब को हरा दिया गया। ऐसे दर्जनों केसेज हुए जहां लोग बाहर आ गये। दूसरे, जैसे ही एक खबर टेलीविजन से प्रसारित हुई तो कुछ लोग जिन्हें मुलायम सिंह के नाम से चिढ़ ... है। जिसमें भारतीय जनता पार्टी और आर.एस.एस. के लोग हैं, कई जगह नारे लगाते हुए सड़कों पर आ गये और कई जगह मुहल्लों और शहरों में जहां पर माइनोरिटीज के लोग रहते हैं, उन पर आक्रामक मुद्रा में हरकतें की गईं। इसलिए कई जगहों पर उत्तर प्रदेश में तनाव की स्थिति पैदा हुई। अगर दो तीन घंटे के अन्दर कंट्रडिशन टेलीविजन से न आया होता तो उत्तर प्रदेश के कई शहरों में दंगों की स्थिति हो सकती थी। यह आपराधिक लापरवाही टेलीविजन की थी। मैं आपके माध्यम से सरकार

से अनुरोध करना चाहूंगा कि श्री मुलायम सिंह के चुनाव परिणाम की जब काउंटिंग चल रही थी तो उसके पहले जो घोषणा की गई वह किन परिस्थितियों में की गई ? क्या यह आवश्यक नहीं था कि कंफर्म किया जाय कि ऐसा हुआ है या नहीं हुआ है। यह चर्चा है कि हिन्दुस्तान के एक केन्द्रीय राज्य मंत्री इटावा में उस वक्त मौजूद थे। उनके पुत्र चुनाव लड़ रहे थे और चुनाव हार चुके थे। इसकी घोषणा हो गई थी। उन्होंने एक पत्रकार के माध्यम से यह सूचना दिला दी ताकि अन्य रिजल्ट पर इसका एडवर्स असर पड़ सके। इसलिए मैं चाहूंगा और आपसे अनुरोध करूंगा कि आप केन्द्रीय सरकार को निर्देश दें कि वह इस पूरी घटना की जांच करे। आखिर किन परिस्थितियों में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जो अब उत्तर प्रदेश के मुख्य मंत्री हैं उनके चुनाव के बारे में इस तरह का गलत प्रसारण किया गया और कौन लोग इसके लिए जिम्मेदार हैं ? उन लोगों के खिलाफ इसलिए भी कार्यवाही होनी चाहिए कि आपने देखा होगा कितनी लापरवाही टेलीविजन में होती है। दिग्विजय सिंह के नाम पर हमारे राज्य सभा के सदस्य का चित्र दिखाया गया और आपको आश्चर्य होगा कि जब अतौली से माननीय श्री कल्याण सिंह जी के बारे में घोषणा की गई तो राष्ट्रीय प्रसारण में श्री कल्याण सिंह जी के विजय की घोषणा की गई, लेकिन फोटो और पिक्चर श्री मुलायम सिंह का दिखाया गया। इस तरह की लापरवाही टेलीविजन में होती है। इसकी जांच आवश्यक है और दोषी व्यक्तियों के खिलाफ कार्यवाही भी आवश्यक है। मैं आपसे प्रार्थना करता हूं कि इस मामले को गम्भीरता से लें और इसकी जांच करने का निर्देश संबंधित अधिकारियों को देने की कृपा करें।

श्री ईश दत्त यादव (उत्तर प्रदेश) : उपसभाध्यक्ष महोदय, श्री राम गोपाल जी ने जो विशेष उल्लेख किया है उससे मैं अपने आप को सम्बद्ध करता हूं और केवल एक मिनट लेना चाहता हूं। यह जो प्रसारण किया गया इसके पीछे निश्चित रूप से गहरी साजिश की गई थी और जिसका दुष्परिणाम भी हुआ और समाजवादी पार्टी के कई उम्मीदवार हरा दिये गये। केवल सौ, 225 वोटों से और 195 वोटों से हरा दिए गए। यह गहरी साजिश क्यों की गई ? इसलिए की गई कि आचार्य नरेन्द्र देव, डा० राम मनोहर लोहिया और जयप्रकाश नारायण जी को जो समाजवादी विचारधारा थी और जो लगभग इस देश में समाप्त प्राय: हो गई थी उसको श्री मुलायम सिंह यादव ने जिन्दा कर दिया। उस समाजवादी विचारधारा को लेकर वे आगे बढ़े तो उत्तर प्रदेश की जनता ने और देश की जनता ने उनका स्वागत किया और इस चुनाव में उत्तर प्रदेश की जनता ने लगभग मतदान और मत गणना के पहले यह निर्णय कर लिया था कि इस प्रदेश में व्यवस्था परिवर्तन होना चाहिए, सत्ता परिवर्तन होना चाहिए और मुलायम सिंह जी के हाथों में प्रदेश का नेतृत्व सौंपना चाहिए। इसलिए यह साजिश की गई कि मत गणना के समय अगर इस तरह का प्रचार कर दिया जता है तो चुनावों पर प्रतिकूल असर पड़ेगा। इसलिए मैं संक्षेप में श्री राम गोपाल जी की बातों का समर्थन करते हुए आपसे मांग कर रहा हूं कि सूचना और प्रसारण मंत्री जी तो इस वक्त यहां पर नहीं हैं और संसदीय कार्य मंत्री जी भी नहीं हैं, लेकिन मंत्री परिषद के कुछ राज्य मंत्री लोग बैठे हुए हैं, मैं आपसे करबद्ध प्रार्थना कर रहा हूं कि आप निर्देश दें कि इसकी निष्पक्ष उच्च स्तरीय जांच कराई जाय और जो लोग दोषी पाये जायें उनको कड़ा से कड़ा दण्ड दिया जाय।

उपसभाध्यक्ष (श्री शंकर दयाल सिंह) : मैं निर्देशित और आदेशित नहीं कर रहा हूं, लेकिन जो भी बातें सदन में कही जाती हैं वे सम्बद्ध मंत्री तक अवश्य पहुंचती हैं। उनका कर्तव्य है कि इस संबंध में अवश्य कार्यवाही करें। ज

Need to bring uniformity in the price of DAP fertilizer

SHRI S. S. SURJEWALA (Haryana): Sir; through this Special Men-